2014

HINDI

(Major)

Paper : 5·3

(Hindi Ka Natak Sahitya)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) 'भारत दुर्दशा' नाट्य-कृति के रचयिता कौन हैं?

(ख) दृश्यकाव्य किसे कहते हैं?

(ग) प्रहसन प्रमुखतः किस रस की रचना है?

(घ) 'अजातशत्रु' नाटक की रचना किस वर्ष हुई?

(ङ) जयशंकर प्रसाद की पहली नाट्य-कृति कौन-सी है?

(च) 'सिन्दूर की होली' नाटक के रचयिता कौन हैं?

(छ) लक्ष्मीनारायण लाल द्वारा रचित किसी एक नाट्य-कृति का नाम बताइए।

2. अति संक्षेप में उत्तर लिखिए : 2×4=8

(क) भारतेन्दुकालीन किन्हीं दो नाटककारों के नाम लिखिए।

(ख) शास्त्रीय दृष्टि से नाटक में चित्रित नायक के कितने भेद हैं? उल्लेख कीजिए।

(ग) मोहन राकेश द्वारा लिखित नाटकों की संख्या कितनी है? उनका नामोल्लेख कीजिए।

(घ) हिन्दी का पहला दुःखान्त नाटक किसे माना जाता है? उसके रचयिता कौन हैं?

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : 5×3=15

(क) "नाटक एक लोकप्रिय एवं सशक्त साहित्यिक विधा है।" इस उक्ति की पुष्टि कीजिए।

(ख) नाटककार हरिकृष्ण प्रेमी का परिचय दीजिए।

(ग) 'आषाढ़ का एक दिन' के मुख्य पात्र कालिदास की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) नाटक की कथावस्तु में निहित कार्य-अवस्थाओं के भिन्न-भिन्न भेदों के बारे में बताइए।

(ङ) नाटक और एकांकी के अन्तरों को रेखांकित कीजिए।

4. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 10

मैं अनुभव करता हूँ कि यह ग्राम-प्रान्तर मेरी वास्तविक भूमि है। मैं कई सूत्रों से इस भूमि से जुड़ा हूँ। उन सूत्रों में तुम हो, यह आकाश और ये मेघ हैं, यहाँ की हरीतिमा है।

अथवा

जो अपने पुराने विचारों से हटना नहीं चाहता, उसे अवश्य नष्ट हो जाना चाहिए, क्योंकि यह जगत ही गतिशील है।

5. हिन्दी नाट्य-साहित्य के उत्थान सम्बन्धी विभिन्न कालों की ओर ध्यान देते हुए एक सारगर्भित लेख प्रस्तुत कीजिए। 10

अथवा

रचना-विधान की दृष्टि से नाटक के तत्त्वों का विवेचन कीजिए।

6. प्रसाद-विरचित 'अजातशत्रु' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

वस्तु-विधान की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' नाट्य-कृति की समीक्षा कीजिए।

★★★